हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

Date: 07.05.2024

सम्मान | देशभर से चयनित 19 कुलपतियों के प्रतिष्ठित मंडल से डा. रणपाल सिंह को सम्मान मिला

महाविद्यालयों में एनसीसी इकाइयों की स्थापना के लिए प्रयास कर रहे : डॉ. रणपाल

राष्ट्रीय कैडेट कोर ने सीआरएसयू कुलपति को कर्नल की मानद उपाधि से नवाजा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जींद

भारत सरकार द्वारा चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति को कर्नल की मानद उपाधि प्रदान कर उनकी कर्तव्य परायणता को सम्मानित किया है। देशभर से चयनित 19 कुलपतियों के प्रतिष्ठित मंडल में से डा. रणपाल सिंह एक हैं, जिन्हें इस रूप में सम्मान प्राप्त हुआ है। डा. रणपाल सिंह कैडेट कोर के कर्नल कमांडेंट हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रदत्त विश्वविद्यालय के कुलपतियों के लिए मानद उपाधि उस महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है जो शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं के अनुशासित, सर्वांगीण, देशभक्त और नैतिक रूप से मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाता है।

जींद। कुलपति को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय स्टाफ।

उल्लेखनीय है कि कर्नल की मानद उपाधि पारंपरिक सम्मानों से अलग है। क्रिकेटर एमएस धोनी (भारतीय सेना), सचिन तेंदुलकर (आईएएफ), कपिल देव (भारतीय सेना) जैसी खेल हस्तियों को भी इसी तरह की मानद रैंक दी जा चुकी हैं। यह नई नीति राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को मान्यता देते हुए शैक्षणिक पृष्ठभूमि से आने वाले लोगों को सम्मान प्रदान करती है। डा. रणपाल सिंह ने भारतीय शस्त्र बल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एनसीसी अपने अनुशासन और देशभक्ति के लिए भारतवर्ष ही नहीं पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। कैडेट रूप में हर युवा को देश के प्रति प्रेम करना और अनुशासन में निबद्ध रहना सिखाया जाता है। उन्होंने कहा की वे स्वयं स्कूल और विश्वविद्यालय के समय से राष्ट्रीय कैडेट कोर से जुड़े हुए हैं। अब भी विश्वविद्यालय के तहत आने वाले महाविद्यालयों में एनसीसी इकाइयों की स्थापना के लिए प्रयास कर रहे हैं और जहां पूर्ववत इकाइयां कार्यशील हैं उन्हें भी इन्होंने सदैव प्रोत्साहित किया है। इनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय में भी एनसीसी की गतिविधियों ने विस्तार पाया।

सम्मान युवा को समर्पित

डा. रणपाल सिंह ने इस सम्मान को विश्वविद्यालय से जुड़े हर युवा को समर्पित करते हुए युवाओं से राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ देश सेवा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जींद क्षेत्र पहले ही सेना के प्रति समर्पण की भावना के लिए जाना जाता रहा है। यहां के असंख्य परिवारों के सपूत सैन्य बल से जुड़े हुए हैं। इस धरती ने देश के लिए बहुत बलिदान दिए हैं। इसी परम्परा को बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय भी युवाओं को सैन्य सेवा पदों तक पहुचाने में सहयोग करेगा। डा. रणपाल सिंह को मानद कर्नल उपाधि मिलने पर सोमवार को पूरे विश्वविद्यालय में प्रसन्नता और खुशी का माहौल है। सभी अधिकारिक अधिकारियों ने कुलपति डा. रणपाल को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है। विद्यार्थी वर्ग भी इस अवसर पर बधाई देने पहुंचा और कहा कि आप का यह सम्मान हर युवा के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है।

अमर उजाला

Date: 07.05.2024

सीआरएसयू के वीसी को कर्नल की मानद उपाधि

कुलपति डॉ. रणपाल सिंह को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय स्टाफ। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। भारत सरकार ने चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति को कर्नल की मानद उपाधि प्रदान की है। देश के चुने गए 19 कुलपतियों के प्रतिष्ठित मंडल में से डॉ. रणपाल सिंह एक हैं, जिन्हें यह सम्मान दिया गया है। डॉ. रणपाल सिंह कैडेट कोर के कर्नल कमांडेंट हैं।

केंद्र सरकार प्रदत्त विश्वविद्यालय के कुलपतियों के लिए मानद उपाधि उस महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है जो शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं के अनुशासित, सर्वांगीण, देशभक्त और नैतिक रूप से मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाता है। डॉ. रणपाल ने भारतीय शस्त्र बल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत की एनसीसी अपने अनुशासन और देशभक्ति के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। वह विश्वविद्यालय के तहत आने वाले महाविद्यालयों में एनसीसी इकाइयों की स्थापना का प्रयास कर रहे हैं।

उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय में भी एनसीसी की गतिविधियों ने विस्तार पाया है। डॉ. रणपाल सिंह ने इस सम्मान को विश्वविद्यालय से जुड़े हर युवा को समर्पित करते हुए उनसे राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ देश सेवा करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि जींद क्षेत्र सेना के प्रति समर्पण की भावना रखने वाला है। यहां के असंख्य परिवारों के सपूत सैन्य बल से जुड़े हुए हैं। इस धरती ने देश के लिए बहुत बलिदान दिए हैं। इसी परंपरा को बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय भी युवाओं को सैन्य सेवा पदों तक पहुंचाने में सहयोग करेगा।

दैनिक जागरण

Date: 07.05.2024

सीआरएसयू के वीसी को कर्नल की मानद उपाधि से नवाजा

जागरण संवाददाता • जींद : भारत सरकार द्वारा चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डा. रणपाल सिंह को कर्नल की मानद उपाधि से नवाजा है। देशभर से चयनित 19 कुलपतियों के प्रतिष्ठित मंडल में से डा. रणपाल सिंह एक हैं, जिन्हें इस रूप में सम्मान प्राप्त हुआ है।

कुलपति को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय स्टाफ। • पीआरओ।

डा. रणपाल सिंह कैडेट कोर के कर्नल कमांडेंट हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रदत्त विश्वविद्यालय के कुलपतियों के लिए मानद उपाधि उस महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है, जो शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं के अनुशासित, सर्वांगीण, देशभक्त और नैतिक रूप से मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाता है। कर्नल की मानद उपाधि पारंपरिक सम्मानों से अलग है। क्रिकेटर एमएस धोनी (भारतीय सेना), सचिन तेंदुलकर (आईएएफ), कपिल देव (भारतीय सेना) जैसी खेल हस्तियों को भी इसी तरह की मानद रैंक दी जा चुकी हैं। यह नई नीति राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को मान्यता देते हुए शैक्षणिक पृष्ठभूमि से आने वाले लोगों को सम्मान प्रदान करती है। डा. रणपाल सिंह ने भारतीय शस्त्र बल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एनसीसी अपने अनुशासन और देशभक्ति के लिए भारतवर्ष ही नहीं पूरे विश्व में प्रसिद्ध है।

कैडेट रूप में हर युवा को देश के प्रति प्रेम करना और अनुशासन में निबद्ध रहना सिखाया जाता है। डा. रणपाल सिंह ने इस सम्मान को विश्वविद्यालय से जुड़े हर युवा को समर्पित करते हुए युवाओं से राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ देश सेवा करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जींद क्षेत्र पहले ही सेना के प्रति समर्पण की भावना के लिए जाना जाता रहा है। यहां के असंख्य परिवारों के सपूत सैन्य बल से जुड़े हुए हैं।

दैनिक भास्कर
ई-पेपर

Date: 07.05.2024

कुलपति को कर्नल की मानद उपाधि से नवाजा

जींद. कुलपति डॉ. रणपाल सिंह को बधाई देते हुए स्टाफ सदस्य।

जींद | भारत सरकार द्वारा सीआरएसयू के कुलपति को कर्नल की मानद उपाधि प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया है। देशभर से चयनित 19 कुलपतियों के प्रतिष्ठित मंडल में से डॉ. रणपाल सिंह एक हैं, जिन्हें इस रूप में सम्मान मिला है।

डॉ. रणपाल सिंह कैडेट कोर के 'कर्नल कमांडेंट' हैं। उन्होंने कहा की एनसीसी अपने अनुशासन और देशभक्ति के लिए भारतवर्ष ही नहीं पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। कैडेट रूप में हर युवा को देश के प्रति प्रेम करना और अनुशासन में निबद्ध रहना सिखाया जाता है। महाविद्यालयों में एनसीसी इकाइयों की स्थापना के लिए प्रयास कर रहे हैं।